आत्मा का स्वर है वंदे मातरम

रायसेन,07 नवम्बर . पुलिस परेड ग्राउंड में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150वें स्मरणोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि वंदे मातरम भारत की आत्मा का अमर स्वर है.

उन्होंने कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन का प्रेरणास्त्रोत बना. इस गीत ने क्रांतिकारियों के हृदय में मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और बलिदान की भावना जगाई. अंग्रेज़ी शासन के विरुद्ध यह उद्घोष स्वतंत्रता का शंखनाद बना.

राज्यमंत्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह गीत पुनः जन-जन के मन में राष्ट्रभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित कर रहा है. उन्होंने बताया कि यह आयोजन राष्ट्रगीत के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में उसकी भूमिका और सांस्कृतिक महत्व को उजागर करने के उद्देश्य से किया गया है. कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष सविता सेन ने भी संबोधित किया. इस अवसर पर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' का सामूहिक गायन हुआ.

इसके बाद राज्यमंत्री पटेल ने पुलिस परेड ग्राउंड परिसर में छात्र-छात्राओं के साथ पौधरोपण किया और मिनी मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. यह दौड़ पुलिस परेड ग्राउंड से शुरू होकर मुख्य मार्ग से होती हुई महामाया चौक पर समाप्त हुई.

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, सांची जनपद अध्यक्ष अर्चना पोर्ते, नगर पालिका अध्यक्ष सविता सेन, विधायक प्रतिनिधि जमना सेन, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक पंकज पांडे सहित बड़ी संख्या में नागरिक, अधिकारी और छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे.

बासमती धान का उचित मूल्य दिलाने कलेक्टर ने की बैठक

- मंडीदीप में धान मिलर्स, उद्योगपतियों और अधिकारियों से की विस्तृत चर्चा

रायसेन,07 नवम्बर. जिले में किसानों को उनकी बासमती धान उपज का उचित मूल्य और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में मंडीदीप में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में धान मिलर्स, उद्योगपति, मंडीदीप फैक्ट्री एसोसिएशन के सदस्य एवं प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए.

बैठक की शुरुआत में कलेक्टर विश्वकर्मा ने कहा कि रायसेन जिले की बासमती धान देश और विदेश दोनों में निर्यात होती है, इसलिए इसे और अधिक विस्तार देने के लिए योजनाबद्ध और पारदर्शी प्रणाली अपनाने की जरूरत है. उन्होंने मिलर्स से अपील की कि वे किसानों से उचित दरों पर धान की खरीदी करें, समय पर भुगतान सुनिश्चित करें और मिलिंग कार्य भी तय समय सीमा में पूर्ण करें. इस दौरान राइस मिलर्स ने अपनी प्रमुख समस्याएं भी रखीं — जिनमें वेयरहाउस से सड़क कनेक्टिविटी की खराब स्थिति, विद्युत आपूर्ति में व्यवधान, और डंपिंग जोन की सीमित व्यवस्था प्रमुख रहीं. कलेक्टर ने संबंधित विभागों को इन समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए.

बैठक के दौरान जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के अभियान में इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की ओर से प्रशासन को एमओयू सौंपा गया, जिसके माध्यम से औद्योगिक इकाइयाँ इस दिशा में सहयोग देंगी. बैठक में जिला खाद्य नागरिक आपूर्ति अधिकारी, जीएम डीआईसी, ऑल इंडिया एक्सपोर्ट एसोसिएशन राइस मिल के संयुक्त सचिव, तथा एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष विकास मुन्द्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे.

गेहूं-चना की बोवनी की तैयारी में जुटे किसान

सिलवानी,07 नवम्बर. दीपावली पर्व समाप्त होते ही क्षेत्र के किसान अब रबी सीजन की फसलों गेहूं और चना की बोवनी की तैयारियों में पूरी तरह जुट गए हैं. खेतों में ट्रैक्टरों की आवाज़ गूंज रही है और किसान दिनभर जुताई व हकाई में व्यस्त नजर आ रहे हैं. कई किसानों ने गेहूं की बोवनी के लिए बीज तैयार करना शुरू कर दिया है, जबकि कुछ स्थानों पर चने की बुवाई भी प्रारंभ हो चुकी है.

इस वर्ष क्षेत्र में अच्छी वर्षा होने से किसानों को रबी फसलों से बेहतर पैदावार की उम्मीद है. मिट्टी में पर्याप्त नमी और सिंचाई के लिए जल उपलब्धता ने खेती के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है.

खाद-बीज की दुकानों पर भीड़ बढ़ गई है. किसान समय पर बुवाई सुनिश्चित करने के लिए खाद, बीज और कीटनाशक खरीद रहे हैं. वहीं कृषि यंत्र, विद्युत पंप, डीजल इंजन और सिंचाई उपकरणों की बिक्री में भी तेजी आई है. अच्छी बारिश के कारण कुओं और ट्यूबवेलों में पर्याप्त जलस्तर बना हुआ है, जिससे रबी फसलों की सिंचाई में सुविधा रहेगी.

किसान अब घर-परिवार की खरीदारी की तुलना में खेती से जुड़ी सामग्रियों पर अधिक ध्यान दे रहे हैं, ताकि बुवाई का कार्य समय पर पूरा किया जा सके. कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मौसम अनुकूल रहा और सिंचाई व्यवस्था सुचारू बनी रही, तो इस बार गेहूं और चना दोनों फसलों से किसानों को अच्छी पैदावार की उम्मीद है.

एक नजर में

पहाड़ों की बर्फबारी का असर, रायसेन में बढ़ी ठंड

रायसेन,07 नवम्बर . पहाड़ी राज्यों में हो रही बर्फबारी और हल्की बारिश का असर अब मैदानी इलाकों में भी महसूस किया जाने लगा है. उत्तर दिशा से चल रही ठंडी हवाओं के कारण रायसेन सहित आसपास के क्षेत्रों में सर्दी बढ़ गई है. तापमान में लगातार गिरावट के चलते सुबह और शाम ठंड का असर तेज हो गया है. मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार की सुबह शहर में हल्का कुहासा छाया रहा और सर्द हवाओं के चलते लोगों को ठिठुरन महसूस हुई. हालांकि दिन में आसमान साफ रहने के आसार हैं. पिछले दो दिनों में रात का न्यूनतम तापमान 18 डिग्री से गिरकर 13 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जबकि दिन का अधिकतम तापमान भी 30 से घटकर 27 डिग्री पर दर्ज किया गया. यानी दिन और रात दोनों में औसतन चार से पांच डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है. शुक्रवार सुबह शहर में हल्के कोहरे की धुंध देखने को मिली. करीब एक सप्ताह बाद मौसम में यह बदलाव महसूस किया गया है. बीते हफ्ते हुई बारिश के बाद कई दिनों तक बादल छाए रहे और धूप नहीं निकली थी. अब हालांकि धूप निकलने लगी है, पर ठंडी हवाओं के कारण सुबह और शाम सर्दी का एहसास बढ़ गया है. ठंड बढ़ने से लोगों ने गर्म कपड़े पहनना शुरू कर दिया है. स्कूली बच्चों को भी अब गर्म कपड़ों में स्कूल जाते देखा जा रहा है. मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट हो सकती है तथा सुबह के समय कोहरा और बढ़ेगा.

बेगमगंज में एसआईआर कार्यक्रम प्रारंभ

बेगमगंज,07 नवम्बर. नगर में शुक्रवार को सहायक निर्वाचक एवं रिटर्निंग अधिकारी प्रमोद उइके के निर्देशन में एसआईआर (स्पेशल समरी रिवीजन) कार्यक्रम की शुरुआत की गई. इस दौरान बीएलओ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएँ और नगर पालिका के वार्ड प्रभारी की संयुक्त टीम ने घर-घर पहुंचकर मतदाताओं से संपर्क किया. टीम ने वार्ड क्रमांक 2 मकबरा मोहल्ला के मतदान केंद्र 36, वार्ड क्रमांक 1 काजी मोहल्ला के 37, वार्ड क्रमांक 6 पक्का फाटक-कबीट चौराहा के 39, वार्ड क्रमांक 5 लखेरापुरा के 60 तथा वार्ड क्रमांक 3 चोर बावड़ी-घोषी मोहल्ला के 60 में जाकर मतदाताओं की जानकारी एकत्र की. अधिकारियों ने नागरिकों को मतदाता सूची में नाम जोड़ने, सुधार कराने और फॉर्म भरने की प्रक्रिया के बारे में समझाइश दी. सहायक निर्वाचक एवं रिटर्निंग अधिकारी प्रमोद उइके ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के तहत नगर के सभी 18 वार्डों में एसआईआर कार्यक्रम प्रारंभ कर दिया गया है. उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता मांगी गई जानकारी निर्धारित दस्तावेजों के साथ प्रोफार्मा में भरकर उपलब्ध कराए, ताकि उनका नाम मतदाता सूची से कटे नहीं. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिनके नाम दो स्थानों पर या फर्जी रूप से दर्ज पाए जाएंगे, उन्हें सूची से हटाया जाएगा. उइके ने नागरिकों से अपील की कि वे समय रहते अपनी जानकारी सही कराकर निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग करें.

ऑपरेशन 'चेकवुड' के सहयोगियों को सम्मान

बेगमगंज,07 नवम्बर . नगर में अवैध सागौन की लकड़ी की जब्ती में उत्कृष्ट भूमिका निभाने वाले वनकर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों को डीएफओ प्रतिभा शुक्ला ने सम्मानित किया. यह सम्मान वन परिसर बेगमगंज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया, जहाँ उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रशस्ति पत्र देकर सराहा गया. इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर कुलदीप पटेल, एसडीएम शौरभ मिश्रा, तहसीलदार प्रमोद उइके, थाना प्रभारी राजीव उइके एवं रेंजर अरविंद अहिरवार उपस्थित रहे. डीएफओ शुक्ला ने कहा कि ऑपरेशन 'चेकवुड' वन विभाग की सतर्कता और समन्वय का उदाहरण है, जिसमें टीम भावना से बड़ी सफलता प्राप्त की गई. गत दिनों नगर के मकबरा मोहल्ला स्थित शकील पठान और नवेद पठान के फॉर्म हाउस से वन विभाग ने सात ट्रॉली सागौन की करीब 9 घनमीटर लकड़ी, अधबना फर्नीचर, बड़ी मात्रा में औजार और एक क्वॉलिस जीप सहित अवैध सामग्री जब्त की थी. जब्त माल का अनुमानित मूल्य लगभग 15 लाख रुपये आंका गया.

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम आयोजित

सिलवानी,07 नवम्बर. ॐवंदे मातरम्ॐ राष्ट्र की आत्मा का गान है, जो भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है. इसी भाव को केंद्र में रखते हुए सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सिलवानी में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक भव्य प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पण से हुआ. कार्यक्रम में भैया-बहनों द्वारा देशभक्ति गीत, कविताएँ और भाषण प्रस्तुत किए गए, जिससे विद्यालय परिसर में राष्ट्रभक्ति का माहौल निर्मित हुआ.

मुख्य अतिथि शासकीय महाविद्यालय के प्राध्यापक लक्ष्मीकांत नेमा ने अपने उद्बोधन में कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, त्याग, समर्पण और राष्ट्रप्रेम का अमर प्रतीक है. उन्होंने बताया कि इस गीत की रचना बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने वर्ष 1875-76 के दौरान की थी. इस गीत ने स्वतंत्रता संग्राम के समय क्रांतिकारियों में अदम्य साहस और ऊर्जा का संचार किया तथा मातृभूमि के लिए बलिदान की भावना को प्रज्वलित किया.

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले जी के संदेश का वाचन किया गया. उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् गीत आज भी समाज को एकता, समर्पण और राष्ट्रीय चेतना से ओतप्रोत करने की क्षमता रखता है. यह गीत मातृभूमि के प्रति प्रेम और कर्तव्यबोध की प्रेरणा देता है.

उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे वंदे मातरम् की भावना से प्रेरित होकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ. कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य मयंक लाहोरी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस तरह के आयोजन छात्रों में देशभक्ति और सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं. कार्यक्रम में विद्यालय के आचार्यगण, छात्र-छात्राएँ, अभिभावक और नगर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. पूरा आयोजन राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक गौरव और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना से ओतप्रोत रहा.

दुर्गेश लोधी बने सिलवानी युवा कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष

बम्होरी,07 नवम्बर . क्षेत्र के ग्राम पहरिया निवासी दुर्गेश लोधी को सिलवानी युवा कांग्रेस का ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. नियुक्ति की सूचना मिलते ही क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई. कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उन्हें फूलमालाओं से स्वागत कर बधाई दी.

दुर्गेश लोधी ने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है. उन्होंने कहा मैं कांग्रेस नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ. प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, जिला अध्यक्ष तथा सिलवानी विधायक देवेंद्र पटेल ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, उसे मैं पूरी निष्ठा और संगठनात्मक मेहनत से निभाऊंगा. उन्होंने आगे कहा कि संगठन को गाँव-गाँव तक मजबूत करने और युवाओं को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. युवाओं को संगठन के माध्यम से जनसेवा और सामाजिक विकास की दिशा में सक्रिय किया जाएगा.

सांदीपनि विद्यालय की छात्राओं को थाना प्रभारी ने दी महिला एवं साइबर सुरक्षा की जानकारी

सिलवानी,07 नवम्बर. महिला सुरक्षा और साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को पुलिस थाना सिलवानी में किशोरी जागरूकता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर सांदीपनि विद्यालय की छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं.

कार्यक्रम में थाना प्रभारी पूनम सविता ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा और साइबर सुरक्षा से जुड़ी आवश्यक जानकारियाँ दीं. उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन का सबसे मजबूत आधार है, इसलिए हर छात्रा को अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए और किसी भी प्रकार के लालच या प्रलोभन में नहीं आना चाहिए.

थाना प्रभारी ने छात्राओं को समझाया कि आज के डिजिटल युग में अधिकांश अपराध मोबाइल और इंटरनेट के माध्यम से हो रहे हैं. इसलिए मोबाइल का प्रयोग केवल आवश्यक कार्यों के लिए करें और अनजान व्यक्तियों से बातचीत या निजी जानकारी साझा करने से बचें. उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट, लिंक या फोटो के जरिए ठगी और ब्लैकमेलिंग जैसे अपराध बढ़ रहे हैं, जिनसे सावधान रहना जरूरी है. कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को महिला हेल्पलाइन 1090, पुलिस कंट्रोल रूम 100, और साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में भी जानकारी दी गई.

राज्यमंत्री ने किया बेगमगंज अस्पताल का निरीक्षण

- एंबुलेंस उपलब्ध कराने का दिया आश्वासन

बेगमगंज,07 नवम्बर. मध्य प्रदेश शासन के राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने शनिवार को बेगमगंज सिविल अस्पताल पहुंचकर अस्पताल की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों और सुविधाओं का जायजा लिया तथा मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सेवाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की.

निरीक्षण के दौरान राज्यमंत्री पटेल ने बीएमओ डॉ. नितिन तोमर, डॉ. अमन सेन, डॉ. अभिषेक साहू और डॉ. चंद्र मोहन गुर्जर से अस्पताल की वर्तमान स्थिति, संसाधनों और स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी ली. उन्होंने अस्पताल परिसर की स्वच्छता, दवा वितरण व्यवस्था और उपकरणों की उपलब्धता की भी समीक्षा की.

स्थानीय नागरिकों ने मंत्री पटेल से अस्पताल में सब वाहन और एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग रखी. इस पर मंत्री ने बताया कि ॐसब वाहन शासन द्वारा जिला स्तर पर उपलब्ध कराया गया हैॐ और साथ ही आश्वासन दिया कि बेगमगंज अस्पताल के लिए शीघ्र ही एंबुलेंस की व्यवस्था कराई जाएगी, जिससे मरीजों को आपात स्थिति में बेहतर सुविधा मिल सके.

निरीक्षण के दौरान नागरिकों ने अस्पताल में डॉक्टरों की कमी की समस्या भी उठाई. इस पर मंत्री पटेल ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेशभर में लगभग 2000 डॉक्टरों की भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की है. भर्ती पूरी होते ही बेगमगंज अस्पताल में भी आवश्यक डॉक्टरों की नियुक्ति सुनिश्चित की जाएगी. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए.

इस अवसर पर हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र तोमर, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी हरि साहू, राकेश भार्गव, रामलाल सोनी, लक्ष्मी नारायण चतुर्वेदी, भगवान सिंह लोधी, जयगोविंद दुबे, प्रभु सेन, प्रवीण जैन पिंटू, शुभम दुबे, रामकिशन माली, लक्ष्मी दुबे, कुलदीप लोधी, गोलू कोडरिया, मुकेश पाटकर, बाबू सेन सहित अनेक स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे. निरीक्षण के अंत में मंत्री पटेल ने कहा कि सरकार जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है और शीघ्र ही अस्पताल की सभी आवश्यकताओं को पूरा किया जाएगा.

परेशानी ▶ पहले ही बारिश से खराब हो चुकी है फसल

फसल कटाई का खर्च बढ़ा किसानों पर दोहरी मार

सिलवानी,07 नवम्बर . बेमौसम बारिश और तेज हवाओं के चलते क्षेत्र में पककर तैयार खड़ी धान की फसल बिछ गई है. खेतों में गिरी फसल के कारण किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है. जिन किसानों की धान पूरी तरह जमीन पर गिर चुकी है, उनकी कटाई में अब सामान्य से डेढ़ गुना अधिक खर्च लग रहा है.

पहले जहां हार्वेस्टर मशीन से कटाई का खर्च लगभग 2000 रुपये प्रति एकड़ था, वहीं अब यह बढ़कर 3500 रुपये प्रति एकड़ तक पहुंच गया है. हार्वेस्टर संचालकों का कहना है कि बिछी हुई फसल की कटाई में काफी मुश्किलें आ रही हैं. उन्हें मशीनें धीमी गति से चलानी पड़ रही हैं, जिससे समय और डीज़ल दोनों की खपत बढ़ गई है.

हार्वेस्टर ठेकेदारों के अनुसार, गिरी हुई फसल में मिट्टी और नमी अधिक होने के कारण मशीनों के ब्लेड जल्दी जाम हो रहे हैं, जिससे बार-बार रुकावट आ रही है. यही कारण है कि कटाई दरें बढ़ानी पड़ी हैं.

दूसरी ओर किसानों का कहना है कि मौसम की मार से फसल पहले ही कमजोर हो चुकी थी, अब कटाई खर्च बढ़ने और मंडियों में धान के भाव गिरने से स्थिति और कठिन हो गई है. कई किसानों का कहना है कि इस बार वे केवल अपनी लागत निकालने की उम्मीद कर रहे हैं. ग्राम साईंखेड़ा, बर्धा, बम्होरी, जुनिया, चीचोली और डुंगरिया सहित कई इलाकों में धान की कटाई का काम जोरों पर है. मौसम साफ होने के बाद बड़ी संख्या में हार्वेस्टर मशीनें गांवों में पहुंच चुकी हैं.

किसान सुबह से देर रात तक खेतों में कटाई और फसल समेटने में जुटे हुए हैं. कृषि विभाग के अनुसार, यदि आने वाले दिनों में मौसम स्थिर रहा तो क्षेत्र की लगभग पूरी फसल अगले तीन से चार हफ्तों में कट जाएगी. हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार बदलते मौसम पैटर्न से किसानों की आय पर सीधा असर पड़ रहा है और भविष्य में फसल बीमा योजनाओं की भूमिका और भी अहम हो जाएगी.

रोक के बाद भी खेतों में पराली जला रहे किसान बढ़ रहा प्रदूषण

सिलवानी,07 नवम्बर. प्रशासन द्वारा प्रतिबंध और जागरूकता अभियान चलाए जाने के बावजूद क्षेत्र के दर्जनों गांवों में किसान खेतों में धान की पराली जला रहे हैं. खेतों में पराली जलाने से जहां वायु प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है, वहीं भूमि की उपजाऊ क्षमता पर भी गंभीर असर पड़ रहा है. प्रशासन ने पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए खेतों में पराली जलाने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया है. इसके बावजूद भी कई किसान अगेती बुवाई के लालच में नियमों की अनदेखी कर रहे हैं. धान की कटाई पूरी होते ही किसान गेहूं और चना की फसल बोने की तैयारी में जुट जाते हैं. समय बचाने के लिए वे खेतों में बची पराली और फानों में आग लगा देते हैं ताकि खेत जल्दी साफ हो जाएं और नई फसल की बुवाई की जा सके.